City International School

FIRST TERMINAL EXAMINATION – 2013 - 2014

Date : 02/08/2013 **Marks : 80**

Std : IX **Subject : Hindi** **Time :** 3 hrs

This paper comprises of two Sections; Section A and Section B.
Attempt all questions from Section A. Attempt any four questions from Section B.
The intended marks for questions or parts of questions are given in Brackets ( )

SECTION A [40 MARKS]
Attempt all questions

Q. 1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics: (15)

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग २५० शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :-

i. "जो बड़े - बढ़ों की परवाह नहीं करता, वह संस्कारो को ग्रहण करने में पिछड़ जाता है।"
इस पंक्ति पर अपना पक्ष स्पष्ट कीजिए और भारत में बुजुर्गों की दशा बताइए।

ii. एक बाढ़ पीड़ित के रुप मे अपनी आत्मकथा लिखिए।

iii. आपकी दृष्टि मे व्यक्ति के जीवन में अध्यापक का क्या महत्व है? अध्यापक बनने के लिए किन गुणो का होना आप आवश्यक समझते हैं? यदि आप अध्यापक बने तो आप किन अवगुणों को सदैव अपने से दूर रखेंगे?

iv. एक झूठ को छिपाने के लिए अनेक झूठ बोलने पड़ते हैं इस प्रकार झूठ एक मुसीबत बन जाता है – बताइए आपको कब, क्या झूठ बोलना पड़ा और इससे क्या मुसीबतें सामने उत्पन्न हुई।

v. "जाको राखे साइयाँ मार सके न कोय।"
इस उक्ति को आधार बनाकर एक मौलिक कहानी लिखिए।

Q. 2 Write a letter in Hindi approximately 120 words on any one of the topics given below: **(7)**

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग १२० शब्दों में पत्र लिखिए ।

i. आज विभिन्न चैनलो पर अंधविश्वास तथा तंत्रमंत्र से संबंधी विविध प्रकार की सामग्री (नजर बट्ट, पिरमिड्स) बेचने से जड़े कार्यक्रम दिखाकर जनता को भ्रमित किया जा रहा है। ऐसे कार्यक्रमों पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध करते हुए भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्री को पत्र लिखिए।

ii. बनाव श्रृंगार में अधिक समय नष्ट न करने की सलाह देते हुए बड़ी बहन की ओर से छोटी बहन को एक पत्र लिखिए।

Q. 3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow using your own words as for as possible:-

नीचे लिखे गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए।

कुछ दिन बाद एक सुन्दर नवयुवक साधु आगरा के बाजारों में गाता हुआ जा रहा था। लोगों ने समझा, इसकी भी मौत आ गई है। वे उठे कि उसे नगर की रीत की सूचना दे दें, मगर निकट पहुँचने से पहले ही मुग्ध होकर अपने आप को भूल गए। किसी को साहस न हुआ कि उससे कुछ कहे। दम के दम में यह समाचार नगर में जंगल की आग के समान फैल गया कि एक साधु रागी आया है, जो बाज़ारों में गा रहा है। सिपाहियों ने हथकड़ियाँ संभलीं और पकड़ने के लिए साधु की ओर दौड़े। परंतु पास आना था कि रंग पलट गया। साधु के मुखमंडल से तेज की किरणें फूट रही थीं, जिनमें जादू था, मोहिनी थी और मुग्ध करने की शक्ति थी। सिपाहियों को न अपनी सुध रही, न हथकड़ियों की, न अपने बल की, न अपने कर्तव्य की, न बादशाह की, न बादशाह के हुक्म की। वे आश्चर्य से उसके मुख की ओर देखने लगे, जहाँ सरस्वती का वास था, और जहाँ से संगीत की मधुर ध्वनि की धार बह रही थी। साधु मस्त था, सुननेवाले मस्त थे, ज़मीन - आसमान मस्त थे। गाते - गाते साधु धीरे - धीरे चलता जाता था और श्रोताओं का समूह भी धीरे - धीरे चलता जाता था। ऐसा मालूम होता था, जैसे एक समुद्र है जिसे नवयुवक साधु आवाज़ों की जंजीरो से खींच रहा है और संकेत से अपने साथ - साथ आने की प्रेरणा कर रहा है। और उसकी इच्छा की अवहेलना करने की किसी में हिम्मत नहीं।

मुग्ध जन - समुदाय चलता गया, चलता गया। पता नहीं किधर को? पता नहीं कितनी देर? एकाएक गाना बंद हो गया। जादू का प्रभाव टूटा, तो लोगों ने देखा कि वे तानसेन के महल के सामने खड़े हैं! उन्होंने दुख और पश्चात्ताप से हाथ मले और सोचा, 'यह हम कहाँ आ गए?'

साधु अज्ञान ही में मौत के द्वार पर आ पहुँचा था। भोली - भाली चिड़िया अपने आप अजगर के मुँह में आ फँसी थी। और, अजगर के दिल में ज़रा भी दया न थी।

तानसेन बाहर निकला। लोगों को देखकर वह हैरान हुआ। फिर सब कुछ समझकर बोला, "तो आप ही के सिर पर मौत सवार है?"

नवयुवक साधु मुस्कराया, "जी हाँ! मैं आपके साथ गानविद्या पर चर्चा करना चाहता हूँ।"

तानसेन ने बेपरवाही से उत्तर दिया, "बहुत अच्छा! णगर आप नियम जानते हैं न? नियम कड़ा है, और मेरे दिल में दया नहीं है। मेरी आँखें दूसरों की मौत को देखने कि लिए हर समय तैयार हैं।"

नवयुवक ने कहा, "और मेरे दिल में जीवन का मोह नहीं है। मैं मरने के लिए हर समय तैयार हूँ।"

इसी समय सिपाहियों को अपनी हथकड़ियों का ध्यान आया। झंकारते हुए आगे बढ़े, और उन्होंने नवयुवक साधु के हाथों में हथकड़ियाँ पहना दीं। भक्ति का प्रभाव टूट गया। श्रद्धा के भाव पकड़े जाने के भय से उड़ गए, और लोग इधर - उधर भागने लगे। सिपाही कोड़े बरसाने लगे, और लोगों के तितर - बितर हो जाने के बाद नवयुवक साधु को दरबार की ओर ले चले। दरबार की ओर हो जाने के बाद नवयुवक साधु को दरबार की ओर ले चले। दरबार की ओर स शर्तें सुनाई गईं, "कल प्रातःकाल नगर के बाहर में तुम दोनों का गानयुद्ध होगा। अगर तुम हार गए, तो तुम्हें मार डालने तक का तानसेन को पूर्ण अधिकार होगा। और, अगर तुमने असे हरा दिया ता उसका जीवन तुम्हारे हाथ में होगा।"

नौजवान साधु ने शर्तें मंजूर कर लीं। दरबार न आज्ञा दी कि कल प्रातःकाल तक सिपाहियों की रक्षा में रहो।

यह नौजवान साधु बैजू बावरा ही था।

प्रश्नः-

i. सुन्दर नवयुवक साधु कौन था? आगरा के बाजार में वह क्या करता हुआ आ रहा था।? **(२)**

iii. तानसेन व युवक की वार्ता से आप क्या समझे ? **(२)**
इस वार्ता से यवुक के चरित्र की कौन सी विशेषता प्रकट होती है ?

iv. सिपाही कब व कहाँ आ गए थे ? वे अपना कर्तव्य कैसे भूल गये तथा उन्हें अपनी हथकड़ियों का कब ध्यान आया ? **(२)**

Q. 4 Answer the following according to the instructions given:-
निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :-

i. निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :- **(1)**

a. क्रोध b. गृह

ii. निम्नलिखित मुहावरों में से किन्ही दो की सहायता से वाक्य बनाइए निम्न :- **(1)**

a. आकाश पाताल एक करना b. काम आना

iii. शब्दों में से किन्ही दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए :- **(1)**

a. अल्पायु b. उत्कर्ष c. उपस्थिति

iv. भाववाचक संज्ञा बनाइए :- **(1)**

a. देव b. चिकित्सक

v. दिए गए अनेक शब्दों के एक शब्द लिखिए **(1)**

a. जिस जमीन में कुछ पैदा ना हो b. जंगल की आग

vi. कोष्टक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्य में परिवर्तन कीजिए :- **(3)**

a. साहित्य मनोरंजन का एक अत्यंत ही आनंदप्रद साधन है।
('साहित्य को' से वाक्य प्रारंभ।)

b. ये सदा भगवान का ध्यान रखते हैं। (————————— रहता है।)

c. युद्ध मे तलवार का महत्व होता है। (महत्वपूर्ण शब्द का उपयोग कीजिए।)

SECTION B [40 MARKS]
Attempt four questions from this section.

Read the exracts given below and answer in Hindi the questions that follow:-
निम्नलिखित गद्यांशों को पढिए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

Q. 5 "मै रियासत को पंडित जानकीनाथ के दीवान पाने पर बधाई देता हूँ।"

i. उक्त कथन का वक्ता कौन है ? **(2)**
ii. दीवान बनने के लिए उम्मीद्वार क्या - क्या आडंबर करते हैं ? **(3)**
iii. परीक्ष मे कौन सफल हुआ और कैसे ?

Q. 6 "यों तो मैं कहीं आऊँ - जाऊँ, सो ही इन्हें नहीं सुहाता, और कल किशोरीलाल के यहा से बुलावा नहीं आया। अरे मैं हो कहूँ घरवालो को कैसा बुलावा। ये लोग मुझे अपनी माँ से कम नही समझते, नहीं तो कौन भला यों भट्ठी और भंडार घर सौप दे।"

i. वक्ता का परिचया दीजिए। **(2)**
ii. उपर्युक्त गद्यांश का प्रसंग लिखिए। **(3)**
iii. बुलावा न आने पर भी बुआ किशोरीलाल के यहाँ जाने का क्या तर्क देती है? **(2)**
iv. बुआ ने किशोरीलाल के घर का सम्मान कैसे बचाया? **(3)**

Q. 7 "तुम लोंगो को झूठ बोलने की आदत ही होती है। देते होंगे सभी को दो - दो पैसे में, अहसान का बोझ मुझ पर लाद रहे हो।"

i. वक्ता कौन है? **(3)**
ii. श्रोता का परिचय दीजिए। **(2)**
iii. श्रोता का व्यवसाय करने का उद्देश्य क्या है? **(3)**
iv. वक्ता का संवाद सुनकर श्रोता क्या कहता है? **(2)**

Q. 8 "यूँ नहीं, माँ! थुम तो जानती हो, दायाँ हाथ मिलाया जाता है। दायाँ हाथ मिलाओ।"

i. वक्ता का परिचया दीजिए। **(2)**
ii. किसे किससे हाथ मिलाने का ढंग सिखाया जा रहा है और क्यो? **(3)**
iii. आगंतुक के आगमन का उद्देश्य क्या है? **(2)**
iv. कहानी का शीर्षक स्पष्ट करें। **(3)**

एकांकी सुमन

Q. 9 मेरा बेटा! बहुत बड़ा आदमी बनेगा एक दिन। इसमें दो राय नहीं हो सकती।

i. वक्ता का संक्षिप्त परिचया दीजिए। **(2)**
ii. वक्ता किसके प्रति क्या कामना करता है? उसकी मनोदशा पर प्रकाश डालिए। **(3)**
iii. जन्मदिन के विषय में क्या बहस हुई? संक्षेप में अपने शब्दों में लिखिए। **(2)**
iv. एकांकी का उद्देश्य लिखिए। **(3)**

या

Q. 10 बच्चों के इस तरह थोड़े पीछे पड़ा जाता है। तुम तो कभी प्यार से बोलना ही नहीं जानती। बच्चे तो प्यार के भूखे होते हैं।

i. वक्ता के थन का संदर्भ समझाइए। **(2)**
ii. बच्चों के जीवन में प्यार के महत्व को समझाइए। **(3)**
iii. 'बच्चे' किन्हें कहा गया है? उनका संक्षिप्त परिचया दीजिए। **(2)**
iv. वक्ता का चरित्र चित्रण कीजिए। **(3)**